ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–२२
दिनांक- शुक्रवार,१७ मार्च, २०२३

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन केअनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 30.7 एवं 17.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 88 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 50 प्रतिशत, हवा की औसत गति 3.7 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 3.9 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 5.7 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 21.4 एवं दोपहर में 34.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। पूसा मौसम वेधशाला में इस दौरान कोई वर्षा दर्ज नहीं हुए। इस अवधि में उत्तर बिहार के मुजफ्फरपुर एवं पश्चिमी चम्पारण के जिलों के कुछ स्थानों पर तेज हवा के साथ वर्षा हुई है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(18–22 मार्च, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 18–22 मार्च, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से आसमान में गरज वाले मध्यम से घने बादल बन सकते है तथा इसके प्रभाव से उत्तर बिहार के लगभग सभी जिलों में अगले 4–5 दिनों तक हल्की वर्षा होने की संभावना बनी रहेगी। 19–20 मार्च के आसपास मध्यम (लगभग 20–30 मि०मी०) वर्षा भी हो सकती है। वर्षा के दौरान तेज हवा के साथ कुछ स्थानों पर ओला पड़ने की भी सम्भावना है।
- अधिकतम तापमान 28 से 32 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान 18 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पूरवा हवा चलने का अनुमान है। वर्षा के दौरॉन हवा की रफ्तार औसतन रफ्तार से अधिक होने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- किसान भाई अगले 4–5 दिनों तक वर्षा होने की सम्भावना है अतः तैयार सरसो की कटनी एवं झराई का कार्य स्थगित रखे तथा मौसम साफ या वर्षा होने बाद करें। इस अवधि में वर्षा की सम्भावना को देखते हुए कृषि कार्यो में भी सावधानी बरते।
- अच्छी वर्षा की सम्भावना को देखते हुए खड़ी फसलों में सिचाईं फिलहाल स्थगित रखें।
- वर्षा की सम्भावना को देखते हुए गरमा सब्जी की बुआई स्थगित करें तथा वर्षा होने के बाद सब्जी की बुआई अबिलंब संपन्न करें। लौकी की अर्का बहार, काशी कोमल, काशी गंगा, पूसा समर, प्रोलिफिक लॉग, पूसा मेद्यदूत, पूसा मंजरी, पूसा नवीन किस्मों की बुआई करें। तरबूज की अर्का मानिक, दुर्गापुर मधु, सुगरबेली, अर्का ज्योती (संकर) तथा खरबूज की अर्का जीत, अर्का राजहंस, पूसा शर्बती किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुसंषित है। नेनुआ की पूसा चिकनी, स्वर्ण प्रभा, करैला की अर्का हरित, काशी उर्वषी, पूसा विशेष, कायमबटूर लॉग की बुआई करें। खेत की जुताई में 20–25 टन गोबर की खाद, 30 किलोग्राम नेत्रजन, 50 किलोग्राम फॉसफोरस, 40 किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें।
- वर्षा की सम्भावना को देखते हुये अगले ३–४ दिनों तक ओल की रोपाई सावधानी पूर्वक करें। रोपाई के लिए गजेन्द्र किस्म अनुशंसित है। प्रत्येक 0.5 किलोग्राम के कन्द की रोपनी के लिए दूरी 75X75 से0 मी0 रखें। 0.5 किलोग्राम से कम वजन की कंद की रोपाई नहीं करे। वीज दर 80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से रखें। बुआई से पूर्व प्रति गड्ढ़ा 3 किलोग्राम सड़ी हुई गोबर, 20 ग्राम अमोनियम सल्फेट या 10 ग्राम युरिया, 37.5 ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट एवं 16 ग्राम पोटेशियम सल्फेट का व्यवहार करे। ओल की कटे कन्द को ट्राइकोर्डमा भिरीडी दवा के 5.0 ग्राम प्रति लीटर गोबर के घोल में मिलाकर 20–25 मिनट तक डुबोकर रखने के बाद कन्द को निकालकर छाया में 10–15 मिनट तक सुखने दें उसके बाद उपचारित कन्द को लगायें ताकि मिट्टी जनित बीमारी लगने की संभावना को रोका जा सके तथा अच्छी उपज प्राप्त हो सके।
- वर्षा की सम्भावना को देखते हुए किसान भाई अभी अगले ३–४ दिनों तक गरमा मूंग तथा उरद की बुआई स्थगित करें। वर्षा के बाद या मौसम साफ रहने पर बुवाई करें। बुआई के पूर्व 20 किलो ग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम स्फूर, 20 किलोग्राम पोटाष तथा 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विषाल, सम्राट, एस0एम0एल0–668, एच0यू0एम0–16 एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद–19, पंत उरद–31, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुषंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम 2.5 ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु 20–25 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु 30–35 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी 30X10 से0मी0 रखें।
- वर्षा की सम्भावना को देखते हुए गरमा सब्जी की बुआई स्थगित करें तथा वर्षा होने के बाद सब्जी की बुआई अबिलंब संपन्न करें। लौकी की अर्का बहार, काशी कोमल, काशी गंगा, पूसा समर, प्रोलिफिक लॉग, पूसा मेद्यदूत, पूसा मंजरी, पूसा नवीन किस्मों की बुआई करें। तरबूज की अर्का मानिक, दुर्गापुर मधु, सुगरबेली, अर्का ज्योती (संकर) तथा खरबूज की अर्का जीत, अर्का राजहंस, पूसा शर्बती किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुसंषित है। नेनुआ की पूसा चिकनी, स्वर्ण प्रभा, करैला की अर्का हरित, काशी उर्वषी, पूसा विशेष, कायमबटूर लॉग की बुआई करें। खेत की जुताई में 20–25 टन गोबर की खाद, 30 किलोग्राम नेत्रजन, 50 किलोग्राम फॉसफोरस, 40 किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें।
- बैगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। इसके पिल्लू फल में घुसकर अन्दर से खाकर पूरी तरह फल को नष्ट कर देते हैं, जिससे प्रभावित फलों की बढ़वार रुक जाती है और वे खाने लायक नहीं रहते, आगे चलकर पूरी फसल बरबाद हो जाती है। कीट का प्रकोप दिखाई देने पर सर्वप्रथम कीट से क्षतिग्रस्त तना एवं फलों की तुराई कर नष्ट कर दें एवं उसके बाद स्पीनेसेड 48 ई0सी0/1 मि0ली0 प्रति 4 लीटर पानी की दर से या क्वीनालफॉस 1.5 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमानः 28.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 3.1 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 19.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 4.3 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)